अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान वर्ष : 2018 **दिनांक : 21-12-2018**

समय : 3 घंटा **पांचवां वर्ष-द्वितीय- प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

नव पदार्थ-निर्जरा बंध और मोक्ष-50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक दो लाईन में लिखें। 16

(निर्जरा)किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें

(क) अपनीत उपनीत नरक से क्या तात्पर्य है?

(ख) रौद्र ध्यान का लक्षण 'आमरणान्त दोष' का क्या अर्थ है?

(ग) शुक्ल ध्यान के चार लक्षणों के नाम लिखते हुए संक्षिप्त व्याख्या करें।

(घ) औपपातिक में कायक्लेश का एक प्रकार वीरासनिक की संक्षिप्त व्याख्या करें।

(ङ) प्रायश्चित किसे कहते हैं? इसका एक प्रकार 'पारांचित का' संक्षिप्त वर्णन करें।

(च) मिथ्यात्व मोहनीय कर्म के क्षयोपशम से क्या उत्पन्न होता है?

(बंधकिन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें)

(छ) कर्म स्कन्ध का ग्रहण जीव किसी एक प्रदेश ही करता है या सर्वात्मा करता है?

(ज) एवंभूत वेदना किसे कहते हैं?

(झ) उद्‌वर्तना किसे कहते हैं?

(मोक्षकिन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें)

(ञ) क्या सिद्ध सिद्धशिला पर रहते हैं?

(ट) आत्मा का स्वाभाविक गुण कितने व कौन-कौन से हैं?

(ठ) नपुंसक लिंग सिद्ध की संक्षिप्त व्याख्या करें।

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें। 10

(क) क्षायिक भाव छह में कौन? नौ में कौन? का वर्णन करें।

अथवा

निर्जरा की एकान्त शुद्ध करणी क्या है?

(ख) बंध और मोक्षसिद्ध करें कि बंध पुद्‌गल की पर्याय है।

अथवा

सम्यक् ज्ञान-दर्शन-चारित्र व तप से सिद्धि क्रम किस प्रकार बनता है?

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें। 24

(क) निर्जरारस परित्याग तप का विवेचन करें।

अथवा

ऐहिक लक्ष्य से तपस्या क्यों नहीं करनी चाहिए? स्पष्ट करें।

(ख) बंध और मोक्षअनुभाव बंध और कर्म-फल पर टिप्पणी लिखें।

अथवा

कर्मों के संपूर्ण क्षय की प्रक्रिया लिखें।

अवबोध (तपधर्म से बंध व विविध तक)30

प्र. 4 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक दो वाक्य में दीजिए। 18

(क) क्या छद्मस्थ अकाषायी होता है?

(ख) आत्म प्रदेश अधिक है या कर्म प्रदेश?

(ग) उपशम में जब कर्म सर्वथा अनुदय है, फिर इसे कर्म की अवस्थाओं में कैसे लिया?

(घ) क्या छठा भाव भी होता है?

(ङ) भाव शून्य क्रिया कहां होती है?

(च) क्या मिथ्यात्वी की तपस्या संसार वृद्धि का कारण है?

(छ) भवोपग्राही कर्म किसे कहते हैं?

(ज) कर्म रूपी आत्मा अरूपी है। रूपी व अरूपी का सम्बन्ध कैसे संभव है?

(झ) क्या अंतराल गति में कर्म बंध होता है?

(ञ) क्या तप और निर्जरा एक है?

(ट) भावों की उत्कृष्ट निर्मलता और मलिनता के लिए क्या मजबूत संहनन अपेक्षित है?

प्र. 5 कोई दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें। 12

(क) क्या वीतराग के कर्म बंध होता है?

(ख) अबाधाकाल व सत्ता में क्या अंतर है?

(ग) कार्मण शरीर और कर्म एक ही है या दोनों में भिन्नता है? तथा निर्जरित कर्म वर्गणा चतुःस्पर्श ही रहती है या अष्टस्पर्शी भी हो सकती है?

(घ) सन्निपातिक के कितने भंग हो सकते हैं?

श्रावक संबोध20

प्र. 6 कोई चार पद्य लिखें। 12

(क) कच्चे धागे से बंधी चालनी से जो पानी कुएं से निकाला गया था, उस पद्य को लिखें।

(ख) जैन संस्कार विधि जो सभी प्रसंगों में उपयोगी है, उस पद्य को लिखें।

(ग) राजगृह में जो अर्जुन माली का आतंक फैला हुआ है, उस पद्य को लिखें।

(घ) आनन्द श्रावक ने जो श्रम संयम व समता का जीवन जीया था, उस पद्य को लिखें।

(ङ) देवेन्द्र सनत कुमार वाला पद्य लिखें।

(च) सहिष्णुता हो.....मन जाए।

प्र. 1 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें। 8

(क) धर्म के दो रूप कौन से हैं? तथा उनका सम्बन्ध किससे है?

(ख) श्रावक के गुणात्मक विशेषणों में 'धर्म प्रलोकी' व 'सहायानपेक्षी' का अर्थ बताऐं।

(ग) दैवायत्तं कुले जन्म, मदायत्तं तु पौरुषम् का भावार्थ लिखें।

(घ) पुद्गल परावर्त किसे कहते हैं?

(ङ) अनेकांतवाद व स्याद्वाद किसे कहते हैं?

(च) 'सम्मतं उवसंपज्जामि' का तात्पर्य क्या है?